

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 29 माओवादी मारे गए

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के सबसे बड़े ऑपरेशन में से एक में **कांकेर इलाके** में 29 **नक्सली** मारे गए हैं।

मुख्य बटु:

- इससे पहले **ग्रेहाउंड कमांडो** ने वर्ष 2016 में एक ऑपरेशन में 30 नक्सलियों को मार दिया गया था।
 - वर्ष 2021 में एक अन्य ऑपरेशन में, शीर्ष नक्सली नेता को 25 अन्य लोगों के साथ मार दिया गया।
- 16 अप्रैल को कांकेर ज़िले के छोटेबेटिया थाना सीमा क्षेत्र में **कांकेर ज़िला रज़िर्व गार्ड (DRG)** और **सीमा सुरक्षा बल (BSF)** की संयुक्त टीम द्वारा तलाशी अभियान शुरू किया गया था।
 - छोटेबेटिया थाना क्षेत्र के बीनागुंडा-कोरागुट्टा जंगलों के पास माओवादियों व सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई।

ग्रेहाउंड्स

- यह आंध्र प्रदेश में बढ़ते माओवादी खतरे से नपिटने के लिये IPS अधिकारी के.एस. व्यास द्वारा वर्ष 1989 में स्थापित एक वशिष्ट माओवादी वशिधी बल है।
- इसके सदस्य **गुरलिला एवं वन युद्ध नीति में अच्छी तरह से प्रशिक्षित** हैं।
- इस बल के सदस्यों की **आयु 35 वर्ष से अधिक नहीं** हो सकती।
- एक बार जब वे 35 वर्ष पार कर लेते हैं तो उन्हें सेवानिवृत्त तिक सविलि पुलसि में शामिल कर लिया जाता है।
- यह वशिष पुलसि बल आंध्र प्रदेश में **वामपंथी उग्रवाद** के पतन का मूल कारण बना।
- इसने अन्य समान बलों को भी माओवादियों से लड़ने के लिये प्रेरित किया।

भारत में नक्सलवाद

- नक्सलवाद शब्द का नाम **पश्चिमि बंगाल के गाँव नक्सलबाडी** से लिया गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ वदिरोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद पर एक कसिन की पटाई की थी। वदिरोह की शुरुआत वर्ष 1967 में **कानू सान्याल और जगन संधाल** के नेतृत्व में मेहनतकश कसिनो को भूमि के उच्चति पुनर्वतिरण के उद्देश्य से की गई थी।
- पश्चिमि बंगाल में शुरू हुआ यह आंदोलन पूरवी भारत में छत्तीसगढ़, ओडशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के कम वकिसति क्षेत्रों में फैल गया है।
- ऐसा माना जाता है कि नक्सली **माओवादी राजनीतिक भावनाओं और वचिारधारा** का समर्थन करते हैं।
 - **माओवाद माओ त्से तुंग** द्वारा वकिसति साम्यवाद का एक रूप है। यह सशस्त्र वदिरोह, जन लामबंदी और रणनीतिक गठबंधनों के संयोजन के माध्यम से राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने का एक सदिधांत है।